ऋतु चर्य्या

जिस में ६ ऋतुओं का पूरा वर्णन है, प्रत्येक ऋतु के
वास्ते स्वास्थ्य सम्बन्धी नियम, सैर, व्यायाम,
आहार, व्यवहार, स्नान, वस्त्र आदि की
पूरी २ शिक्षाएं हैं, और प्रत्येक ऋतु में
होने वाले रोग, और उनका इलाज
भली भांति वर्णन किया गया है,

जिसको

कविविनोद वैद्यभूषण पण्डित
ठाकुरदत्त शर्म्मा वैद्य

"**अमृतधारा**" औषधालय के मालिक, वैद्यक पत्र
देशोपकारक व वैद्यामृत के सम्पादक और अनेक
वैद्यक पुस्तकों के रचियता ने लिखा

और

देशोपकारक पुस्तकालय के कार्य्यकर्त्ताओं
ने छपवाकर प्रकाशित किया

अमृत प्रैस रेलवे रोड लाहौर में छपी ॥